मेरा सतगुरु हो दातार काट दो फंदा

मेरा सतगुरु हो दातार,
काट दो फंदा,
मुझको सुजे नाय,
जन्म का अँधा।bd।

मुल कमल के माय,
गुणेशा बंदा,
रिद्धि सिद्धि ढोले भाव,
होवे आनन्दा।bd।

ससी बाण के बीच,
खेल कर बंदा,
खट स्वासा माय,
हरी तो जिंदा।bd।

पिला रंग पछाण,
चार है झंड़ा,
चारुं की पांख पछाण,
गाजरी गंगा।bd।

वांका दर्शन पाए,
होवे अणंदा,
गावे गोरख नाथ,
रुप सोअंगा।bd।

मेरा सतगुरु हो दातार,
काट दो फंदा,
मुझको सुजे नाय,
जन्म का अँधा।bd।

गायक – प्रेम रावल जी सूराज।
प्रेषक – प्रहलाद नाथ बागजणा।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com